वर्ष-8 | अंक 11 | 06 नवंबर से 12 नवंबर 2023 तक | पृष्ठ-12 | MPHIN/2015/63623

न्यूज क्राइम फाइल

आमंत्रण मुल्य 15/-

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

मोदी बोले- कांग्रेस के घोषणा पत्र में सिर्फ एक परिवार

सिवनी में कहा- दो बड़े नेता अपने बेटों को सेट, मप्र को अपसेट करने में लगे हैं

उदय प्रताप सिंह चौहान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को मध्यप्रदेश दौरे पर हैं। खंडवा के छैगांवमाखन की चुनावी सभा में उन्होंने कहा, कांग्रेस यहां सरकार बनाने के लिए छटपटा रही है। MP को अपनी पार्टी का एटीएम बनाना चाहती है। लोकसभा चुनाव के लिए पूरे मप्र से भर-भर कर लूट करनी है। पीएम ने कहा, जिस राज्य में गलती से भी कांग्रेस की सरकार बनी, वहां धड़ाधड़ लूट की स्पर्धा चलती है कि ष्टरू ज्यादा लूटेगा या डिप्टी ष्टरू कर्नाटक में आप देख ही रहे हैं। 10 साल से कांग्रेस केंद्र की सत्ता से बाहर है, इसलिए हर राज्य को बडी लालच भरी नजरों से देखती है कि कब मौका मिले, कब माल खाऊं। इससे पहले सिवनी में चुनाव प्रचार करने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि प्रदेश में कांग्रेस चुनाव लड़ने का ढोंग कर रही है। सिवनी में पीएत बोले, कांग्रेस सीएम की कुर्सी के लिए नहीं लड़ रही। नेता इसलिए लड़ रहे हैं कि आगे किसका बेटा कांग्रेस का मुखिया बनेगा। यहां के दो बड़े नेता अपने बेटों को सेट और मध्यप्रदेश को अपसेट करने में लगे हैं। जिनको अपने बेटे-बेटी की चिंता है, वे आपके बेटे-बेटी के लिए सोचेंगे क्या

खंडवा में मोदी के भाषण की खास बातें अपडेट्स...

■कांग्रेस ने मप्र को बीमारू राज्य बनाया। अपने भ्रष्टाचार से बहुत बड़े गड्ढे में धकेल दिया था। भाजपा ने बहुत मेहनत कर इस गड्ढे से बाहर निकाला। इस काम में मेरी पार्टी की तीन-चार पीढ़ियां खप गईं। मप्र को कांग्रेस के चंगुल से बचाकर रखना ही होगा। जब कांग्रेस केंद्र में थी, तो लाखों-करोड़ों के घोटाले कर अपना काम चलाती थी।

■कांग्रेस युवाओं की दुश्मन है। कांग्रेस ने हमेशा अपने नेताओं के विकास का सोचा। आपको कांग्रेस से बहुत सावधान रहना है। आप इस गलती में मत रहना कि इतने साल सत्ता से बाहर थे तो ये सुधर गए होंगे। ये सुधरे नहीं हैं, इनकी भूख और तेज हो गई है। मोदी सबका साथ-सबका विकास के मंत्र को जीता है।

■कांग्रेस की सरकारें सिर्फ झगड़े में उलझी रहती हैं। राजस्थान में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिला, लेकिन साढ़े चार साल से वहां दो गुट लड़ाई लड़ते रहे। अभी कर्नाटक में सिर्फ 6 महीने हुए हैं और वहां के मुख्यमंत्री को पता नहीं है कि वे कब तक ष्टरू रहेंगे। मध्यप्रदेश में तो अभी टिकट ही बंटे हैं, लेकिन कांग्रेस नेता एक-दूसरे के कपड़े फाड़ रहे हैं।

■सत्ता की भूखी कांग्रेस समाज को बांटने के लिए भ्रम फैला रही है। कांग्रेस में एक नेता को दूसरे से लड़ाया जाता है, ताकि यहां वे लड़ते रहें और दिल्ली वाले नामदार अपनी दुकान चलाते रहें। जहां कांग्रेस आती है, वहां सत्ता का अहंकार, लूट, भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण, माफिया राज यही सब फलता-फूलता है।

■मोदी के लिए गरीब ही सबसे बड़ी जाति है। हमारी सरकार के लिए गरीब कल्याण सबसे बड़ी प्राथमिकता है। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार लाड़ली बहन और लाड़ली लक्ष्मी जैसी अनेक योजनाओं से महिलाओं को सशक्त कर रही है। आपके मामा (शिवराज) तो लगे हुए हैं बराबर। शिवराज सिंह की टीम को बधाई।

नाना-नानी ने क्या किया, ये इस पर वोट मांगते हैं

कांग्रेस का न तो अपना भविष्य है, न ही युवाओं के लिए रोडमैप। कांग्रेस नेता आज भी दादा-दादी, नाना-नानी ने क्या किया? इस पर वोट मांगते हैं। कांग्रेस के लिए अपने एक परिवार से बड़ा कोई और नहीं। जहां कांग्रेस सरकार में रहती है, वहां योजनाएं, रास्ते, गलियां... सबकुछ उसी परिवार के नाम कर देती है। घोषणा-पत्र में भी सिर्फ यही एक परिवार दिखता है।

कांग्रेस का काम हाफ से भी हाफ, जेब साफ कर देती है

कांग्रेस का नारा रहा है- गरीब की जेब साफ, काम हाफ से भी हाफ, यानी कांग्रेस विकास का काम नहीं करती, लेकिन नागरिकों की जेब जरूर साफ कर देती है। 5 साल पहले भी इनके नेता कहते थे कि 10 दिन में किसान का कर्ज माफ करेंगे। 10 दिन तो छोड़िए, डेढ़ साल का समय इनको मिला, लेकिन ये किसान का कर्ज नहीं माफ कर पाए।

हमारी गारंटी 5 साल के लिए मुफ्त राशन

एमपी के मन में मोदी क्यों है? इसका उदाहरण- पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना है। मैं गरीबी से निकला हूं, गरीबी क्या होती है? ये मुझे किताबों में नहीं पढ़ना पड़ता है। इसलिए आपके बेटे ने, आपके भाई ने एक बहुत बड़ा निर्णय मन में पक्का कर लिया है कि दिसंबर में जब प्रधानमंत्री अन्न योजना पूरी होगी, तब आने वाले 5 वर्षों के लिए मुफ्त राशन की गारंटी देंगे हम। कांग्रेस वालों के मुंह में आदिवासी शब्द शोभा नहीं देता- आजकल एक कांग्रेस नेता आदिवासियों के बीच जाकर झूठ फैलाने की फैक्ट्री खोल रहे हैं। कांग्रेस वालों के मुंह में आदिवासी शब्द शोभा नहीं देता। कांग्रेस ने 5 दशक दिल्ली में राज किया। कभी आदिवासी कल्याण का ध्यान नहीं आया। अटल बिहारी वाजपेयी की भाजपा सरकार में आदिवासियों के विकास के लिए पहली बार मंत्रालय बनाया गया।

भोपाल में लड़की को लेकर गैंगवार

पप्पू चटका गैंग ने जुबैर मौलाना के गुर्गे की हाथ-पैर की 27 नसें काटी, कार से कुचलने की कोशिश

संजीव कुमार

राजधानी में बीती रात एक लड़की को लेकर पप्पू चटका और जुबैर मौलाना की गैंग में गैंगवार हुआ। गैंगस्टर पप्पू चटका के तीन गुर्गों ने जेल में बंद जुबैर के एक गुर्गे पर चाकू से हमला कर दिया। फायरिंग के बाद शाहरुख उर्फ डेविल ने बदमाश शाहिद के हाथ और पैर की 27 नसें काट दी। उसके साथियों को कार से कुचलने की कोशिश की। पुलिस के मुताबिक करीम बख्श कॉलोनी निवासी बदमाश शाहिद का एक लड़की को लेकर शाहरुख उर्फ डेविल से पुरानी रंजिश है। दोनों के बीच पहले भी कई बार झगड़े हो चुके हैं। शनिवार रात करीब 11 बजे उसी लड़की को लेकर चल रही रंजिश में राजीनामा करने दोनों गैंग के गुर्गे पीतल मंदिर के नजदीक आए थे।

दो महीने पहले जेल से छूटा है जुबैर का गुर्गा

पुलिस ने एक गिरोह के तीन बदमाश और उसके साथियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। करीम बख्श कॉलोनी में रहने वाला मोहम्मद शाहिद करोंद मंडी में सब्जी की आड़त चलाता है। उसे हत्या के प्रयास के मामले में पांच साल की सजा हुई थी। दो महीने पहले शाहिद जेल से रिहा हुआ। उसे जुबैर गैंग का सदस्य माना जाता है। शनिवार रात शाहिद अपने 8 साथियों के साथ चार बाइक से रोशनपुरा स्थित पीतल मंदिर के नजदीक पहुंचा। यहां विक्की उर्फ वाहिद, पप्पू उर्फ चटका और शाहरुख उर्फ डैविल पहले से मौजूद थे।

पुरानी रंजिश में राजीनामे के लिए बुलाया था शाहिद को

अरेरा हिल्स थाना प्रभारी जयहिंद शर्मा के मुताबिक मोहम्मद शाहिद को पुरानी रंजिश के एक मामले में राजीनामे के लिए बुलाया था। दोनों गिरोह के बदमाशों के बीच बातचीत बहस में बदल गई। तभी शाहिद पर शाहरुख उर्फ डेविल गिरोह ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में शाहिद गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

शाहरुख के शरीर में चाकू से हमले के 27 जख्म

गैंगवार में घायल हुए बदमाश शाहिद को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल ले जाया गया है। डॉक्टर्स ने बताया कि उसके शरीर पर चाकू के 27 जख्म मिले हैं। अस्पताल में उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। उसे ब्लड चढ़ाया जा रहा है।

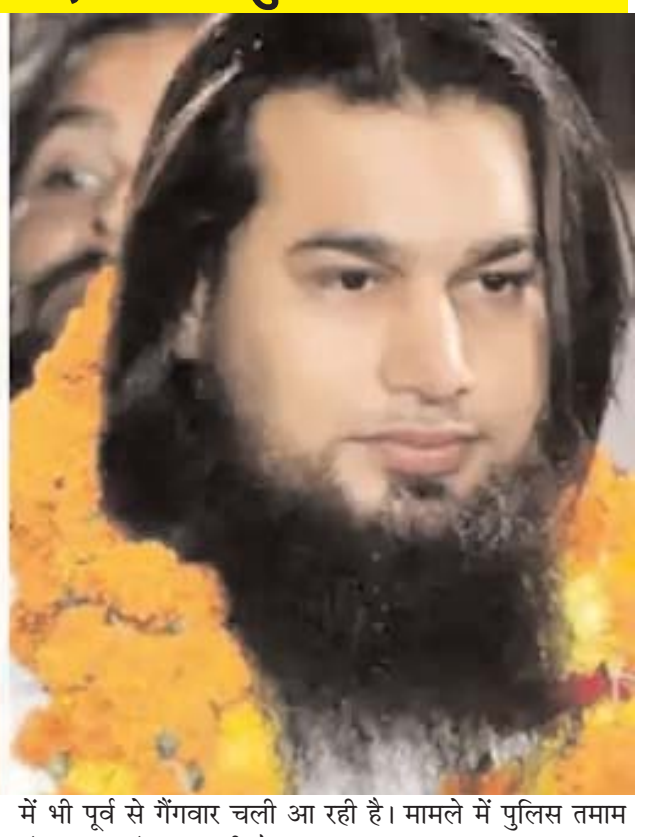

शाहिद गैंग के गुर्गों को भगाने पप्पू ने की फायरिंग

पुलिस सूत्रों के पीतल मंदिर के नजदीक जब बदमाश शाहिद और शाहरुख उर्फ डेविल आपस में बात कर रहे थे। तभी यहां पहले से मौजूद बदमाश पप्पू चटका ने दो राउंड गोली चलाई। इससे बदमाश शाहिद के साथ पहुंचे उसके 7 अन्य गुर्गों में से पांच भाग खड़े हुए। मौका पाकर शाहरुख और पप्पू चटका ने शाहिद पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

विक्की वाहिद ने मारी टक्कर

विवाद के दौरान शाहिद के पांच साथी जान बचाकर भाग गए थे। वह और उसके दो गुर्गे मौके पर थे। दो गुर्गों को बदमाश विक्की वाहिद ने कार से कुचलने का प्रयास किया। दोनों के पांव में गंभीर चोटे हैं।

जेल में भी हो चुका है विवाद

शाहिद और पप्पू के बीच जेल में भी विवाद हो चुका है। तब शाहिद ने अपने साथियों के साथ पप्पू को जमकर धुना था। शाहिद जुबैर मौलाना का खास गुर्गा है, जबकि पप्पू और जुबैर में भी पूर्व से गैंगवार चली आ रही है। मामले में पुलिस तमाम एंगल पर जांच कर रही है।

भोपाल में 46 निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे, पिछली बार से एक कम; नरेला में सबसे ज्यादा

पहले पत्नी लड़ी, अब पति को भी वहीं सिंबल

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में इस बार कुल 46 निर्दलीय कैंडिडेट्स विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं, जो पिछले चुनाव से सिर्फ 1 ज्यादा है। नरेला विधानसभा में सबसे ज्यादा 14 निर्दलीय है, जबकि सबसे कम बैरसिया में एक ही निर्दलीय है। इन्हें कैमरा, हॉकी, क्रिकेट स्टम्प, सीटी, टोप, केतली, हीरा, सिलाई मशीन जैसे चुनाव चिह्न मिले हैं। सिंबॉल को लेकर नरेला विधानसभा में दिलचस्प कहानी है। निर्दलीय मो. रशीद उर्फ बाबू मस्तान को कैमरा चुनाव चिह्न मिला है। खास बात ये है कि पिछले साल हुए नगर निगम के चुनाव में बाबू मस्तान की पत्नी मर्सरत का भी चुनाव चिह्न कैमरा ही था।

आमिर को हॉकी और बॉल चिह्न मिला

भोपाल की सबसे चर्चित बन चुकी उत्तर सीट पर निर्दलीय आमिर अकील को हॉकी और बॉल चिह्न मिला है। आमिर मौजूदा विधायक आरिफ अकील के भाई और कांग्रेस कैंडिडेट आतिफ अकील के चाचा हैं। कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर आमिर ने निर्दलीय कैंडिडेट के रूप में नामांकन भरा था और आखिर समय तक फार्म वापस नहीं लिया। इसके चलते वे भी मैदान में है। यानी, इस चुनाव में चाचा-भतीजा भी आमने-सामने हैं।

नाराज नासिर इस्लाम को केक

भोपाल उत्तर से ही कांग्रेस के बागी नासिर इस्लाम को केक चुनाव चिह्न मिला है। वे भी

केक के साथ मैदान में उतरे हुए हैं।

अब जानिए, कहां से कितने निर्दलीय...

निर्दलीय कैंडिडेट्स को ये चुनाव चिह्न मिले

एयर कंडीशनर, कोट, सेब, बेबी वॉकर, चूड़ियां, केक, लैपटॉप, फलों से युक्त टोकरी, स्टम्प्स, कैमरा, हॉकी और बाल, केतली, बल्लेबाज, हैडफोन, लिफाफा, रोड रोलर, हांडी, बिस्कुट, सिलाई की मशीन, टेलीफोन, पेन ड्राइव, चप्पलें, माचिस की डिब्बी, स्टैथोस्कोप, ट्रक, माइक, ऑटो रिक्शा, सीटी, अलमारी, सीसीटीवी कैमरा।

पार्टी प्रत्याशियों को यह चिह्न

बीजेपी कैंडिडेट को कमल का फूल, कांग्रेस कैंडिडेट को हाथ का पंजा, आम आदमी पार्टी के कैंडिडेट को झाड़ू, बसपा प्रत्याशी को हाथी, नेशनल जागरण पार्टी को रेत घड़ी, राष्ट्रीय जन आवाज पार्टी को हीरा, भारतीय गण वार्ता पार्टी को बैटरी टॉर्च, आजाद समाज पार्टी को केतली, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी को बांसुरी, राष्ट्रवादी भारत पार्टी को फुटबॉल, इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी को गुब्बारा, राइट टू रिकॉल पार्टी को प्रेशर कूकर, वास्तविक भारत पार्टी को गैस सिलेंडर, सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर इंडिया कम्युनिस्ट को बैटरी टार्च, समाजवादी पार्टी को साइकिल, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया को हंसिया, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया को बल्ला, नेशनल वर्ल्ड लीटर पार्टी को हीरा, भारतीय वीर दल को टोप, परिवर्तन पार्टी ऑफ इंडिया को सीटी आदि चुनाव चिह्न दिए गए हैं।

एक्टिवा सवार मां-बेटी को बाइक चालक ने टक्कर मारी

महिला की मौत, बेटी का इलाज जारी, रसोई गैस लेने निकली थीं तब हुआ हादसा

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के परवलिया थाना इलाके के तारा सेवनिया में एक्टिवा सवार मां-बेटी को बाइक सवार पिता-पुत्र ने टक्कर मार दी। घटना में घायल मां बेटी को प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जहां शनिवार की रात महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। उनकी बेटी का इलाज जारी है। अस्पताल की सूचना पर परवलिया थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। रविवार को पोस्टमॉर्टम के बाद पुलिस ने महिला के शव को परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस आरोपी बाइक चालक पर प्रकरण दर्ज करने की तैयारी में है।

रसोई गैस सिलेंडर लेने जा रही थीं मां बेटी

सुनीता मारण (45) पति कामता प्रसाद निवासी तारा सेवनिया अपनी बेटी नेहा मारण (25) कामता प्रसाद निवासी तारा सेवनिया के साथ गुरूवार को करीब 5 बजे एक्टिवा गाड़ी पर सवार होकर सिलेंडर भरवाने के लिए तारा सेवनिया से परवलिया की तरफ जा रही थी। मृतका के पति ने बताया कि रास्ते में रातीबड़ के पास रॉन्ग साइड से आ रहे दो बाइक चालक कैलाश ने सुनीता और नेहा के वाहन को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पिता पुत्र को भी चोट आई हैं। हालांकि टक्कर के बाद दोनों घायल मां बेटी को घटनास्थल पर छोड़कर बाइक सहित फरार हो गए।

घटना के वक्त नशे में धुत था आरोपी चालक

कामता प्रसाद का आरोप है कि मां-बेटी राहगीरों ने एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया था। जहां से उन्हें कॉल कर मामले की जानकारी दी गई। सूचना के बाद वह अस्पताल पहुंचे। परवलिया स्थित जीवन ज्योति अस्पताल में इलाज के दौरान शनिवार की रात को सुनीता ने दम तोड़ दिया जबकि बेटी नेहा मारण का इलाज जारी है। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

सुनीता के ही गांव का है आरोपी वाहन चालक

परिजन ने आरोप लगाया आरोपी बाइक चालक उन्हीं के गांव परवलिया के रहने वाले हैं। उनकी पहचान कैलाश और उसके बेटे के रूप में की गई है। परिजन ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के वक्त दोनों आरोपी नशे में धुत थे। हादसे के समय वाहन को कैलाश चला रहा था। मृतका की एक बेटी के अलावा एक बेटा अभय मारण (20) भी है। जो फिलहाल निजी कॉलेज से पढ़ाई कर रहा है।

दुर्घटनाओं के आंकड़े सड़क सुरक्षा नियमों की विफलता को दर्शा रहे हैं

सड़क हादसों पर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की डरावनी, चिन्ताजनक एवं भयावह रिपोर्ट आई है। इसके मुताबिक, पिछले साल 4.61 लाख सड़क हादसे हुए। इन दुर्घटनाओं में 1.68 लाख लोगों ने जान गंवाई। इन आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि तकरीबन हर एक घंटे में 53 सड़क दुर्घटनाएं हुईं। हर घंटे इनमें 19 लोगों की मौत हुई। हादसों एवं लापरवाही की खूनी होती सड़कें चिन्ता का बड़ा सबब हैं। सड़कों की 'दुर्घटनाओं' के कुछ दृश्य आंखों के सामने आ जाते हैं, जो भयावह होते हैं, त्रासद होते हैं, डरावने होते हैं। सच यह है कि बेलगाम वाहनों एवं यातायात कानूनों एवं नियमों की अवहेलना की वजह से सड़कें अब पूरी तरह असुरक्षित हो चुकी हैं। सड़क पर तेज गति से चलते वाहन एक तरह से हत्या के हथियार होते जा रहे हैं। उक्त रपट यह भी बताती है कि सड़क हादसों की संख्या में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और उनसे होने वाली मृत्यु की दर 9.4 प्रतिशत बढ़ी। इसी तरह सड़क हादसों में घायल होने वालों की संख्या में 15.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। एक्सप्रेसवे हाईवे और राजमार्गों पर ओवर स्पीडिंग जानलेवा दुर्घटनाओं को निमंत्रण देने का ही काम करती है लेकिन न तो वाहन चालक अपनी जिम्मेदारी समझने को तैयार हैं और न ही सरकारें एवं यातायात पुलिस। बीते वर्ष सड़क हादसों में 66 हजार से अधिक लोगों ने इसलिए जान गंवाई क्योंकि उन्होंने सीट बेल्ट नहीं पहनी थी या फिर हेलमेट नहीं लगाया था। यह विडम्बनापूर्ण है कि हर रोज ऐसी दुर्घटनाओं और उनके भयावह नतीजों की खबरें आम होने के बावजूद बाकी वाहनों के मालिक या चालक कोई सबक नहीं लेते। सड़क पर दौड़ती गाड़ी मामूली गलती से भी न केवल दूसरों की जान ले सकती है, बल्कि खुद चालक और उसमें बैठे लोगों की जिंदगी भी खत्म हो सकती है। पर लगता है कि सड़कों पर बेलगाम गाड़ी चलाना कुछ लोगों के लिए मौज-मस्ती एवं शौक का मामला होता है लेकिन यह कैसी मौज-मस्ती है जो कई जिन्दगियां तबाह कर देती है। ऐसी दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना त्रासद है और इससे भी बड़ी त्रासदी सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना है। हर स्थिति में मनुष्य जीवन ही दांव पर लग रहा है। इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 2024 तक देश में दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौत की संख्या को आधा करने का लक्ष्य रखा है, जो एक उम्मीद जगाता है एवं रोशनी बन रहा है। दुनिया में सर्वाधिक तेजी से उन्नत सड़कों का जाल बिछाने में भारत अग्रणी है। लेकिन सुविधाजनक एवं उन्नत होती सड़कों पर मौत की काली छाया का मंडराना सड़क विकास पर एक बदनुमा दाग है। यह दाग सरकारी रिपोर्ट में ही सामने आया है, जिसके अनुसार देश में 2022 में कुल 4,61,312 सड़क हादसे हुए, जिनमें से 1,51,997 यानी 32.9 प्रतिशत हादसे एक्सप्रेसवे एवं राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) पर हुए। वहीं 1,06,682 यानी 23.1 प्रतिशत हादसे राज्य राजमार्गों जबकि 2,02,633 यानी 43.9 प्रतिशत हादसे अन्य सड़कों पर हुए। रिपोर्ट कहती है कि सड़क हादसों में जान गंवाने वाले लोगों में एक बड़ी संख्या सुरक्षात्मक साधनों का इस्तेमाल न करने वालों की रही। सीट बेल्ट न पहनने की वजह से 16,715 लोगों की इन हादसों में मौत हो गई जिनमें से 8,384 लोग ड्राइवर थे जबकि बाकी 8,331 लोग वाहन में बैठे यात्री थे। इसके अलावा 50,029 दोपहिया सवार भी हेलमेट न पहनने की वजह से इन हादसों में अपनी जान गंवा बैठे। लगातार चौथे साल घातक सड़क दुर्घटना का सबसे अधिक युवा शिकार हुए। राज्यों में तमिलनाडु में 2022 में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सबसे अधिक 64,105 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जबकि सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वालों की संख्या उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 22,595 रही। सड़क दुर्घटनाओं का लगातार बढ़ना अनेक सवाल खड़े करता है। तभी सुप्रीम कोर्ट भी तल्ख टिप्पणी कर चुका है कि ड्राइविंग लाइसेंस किसी को मार डालने के लिए नहीं दिए जाते। हादसों से संबंधित कानूनी प्रावधान अभी इस कदर कमजोर हैं कि किसी की लापरवाही की वजह से दो-चार या ज्यादा लोगों की जान चली जाती है और आरोपी को कई बार थाने से ही छोड़ दिया जाता है। सड़क दुर्घटनाओं ने कहर बरपा रखा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 2009 में सड़क सुरक्षा पर अपनी पहली वैश्विक स्थिति रिपोर्ट में सड़क दुर्घटनाओं की दुनिया भर में 'सबसे बड़े कातिल' के रूप में पहचान की थी। भारत में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में 78.7 प्रतिशत हादसे चालकों की लापरवाही के कारण होते हैं। वैसे एक प्रमुख वजह शराब व अन्य मादक पदार्थों का सेवन कर वाहन चलाना है। विडंबना यह है कि जहां हमें पश्चिमी देशों से कुछ सीखना चाहिए वहां हम आंखें मूंद लेते हैं और पश्चिम की जिन चीजों की हमें जरूरत नहीं है उन्हें सिर्फ इसलिए अपना रहे हैं कि हम भी आधुनिक कहला सकें। एक आकलन के मुताबिक आपराधिक घटनाओं की तुलना में पांच गुना अधिक लोगों की मौत सड़क हादसों में होती है। कहीं बदहाल सड़कों के कारण तो कहीं अधिक सुविधापूर्ण अत्याधुनिक चिकनी सड़कों पर तेज रफ्तार अनियंत्रित वाहनों के कारण ये हादसे होते हैं। दुनिया भर में सड़क हादसों में बारह लाख लोगों की प्रतिवर्ष मौत हो जाती है, जिनमें भारत में सर्वाधिक मौते होती है। ट्रैफिक व्यवस्था कुछ अंशों में महानगरों को छोड़कर कहीं पर भी पर्याप्त व प्रभावी नहीं है। पुलिस व्यक्ति की सुरक्षा में तैनात रहती है जनता की सुरक्षा में नहीं। हजारों वाहन प्रतिमास सड़कों पर नए आ रहे हैं, भीड़ बढ़ रही है, रोज किसी न किसी को निगलने वाली रेड लाइनें%% बढ़ रही हैं। दुर्घटना में मरने वालों की तो गिनती हो जाती है पर वाहनों से निकलने वाले जहरीले धुएँ से प्रतिदिन मौत की ओर बढ़ने वालों की गिनती असंख्य है। वाहनों में सुधार हो रहा है पर सड़कों और चालकों में कोई सुधार नहीं। सन् 2023 तक वाहनों का उत्पादन और मांग जिस अनुपात में बढ़ेगी।

सम्पादकीय

दारा सिंह चौहान और ओम प्रकाश राजभर पर कम नहीं हुआ है बीजेपी का विश्वास

राजनीति में एक हार से सब कुछ खत्म और एक जीत से सब कुछ हासिल नहीं हो जाता है। जीत-हार राजनीति का हिस्सा है। यह अनवरत जारी रहता है। इस बात का अहसास उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार की संभावनाओं के चलते किया जा रहा है। चर्चा है कि योगी सरकार में कुछ और नये चेहरे शामिल होने वाले हैं जिससे लोकसभा चुनाव में जातीय समीकरण का फार्मूला फिट हो सके। इसीलिए योगी मंत्रिमंडल में दारा सिंह चौहान और ओम प्रकाश राजभर को मंत्री बनाये जाने की चर्चा हो रही है। यह वह दो नेता हैं जिनको भाजपा का जातीय समीकरण मजबूत करने के लिए हाल फिलहाल में पार्टी के साथ जोड़ा गया था। ओम प्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के साथ बीजेपी का गठबंधन हुआ था और घोसी से सपा विधायक दारा सिंह चौहान सपा की सदस्यता और विधायिकी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे, लेकिन यह भी हकीकत है कि बीजेपी के बैनर तले घोसी से उप चुनाव लड़े दारा सिंह को हार का समाना करना पड़ा था। वहीं ओम प्रकाश राजभर की पार्टी की बात की जाये तो विधान सभा चुनाव में बीजेपी को ओम प्रकाश राजभर की पार्टी से उतना फायदा नहीं मिला था, जितनी उनसे उम्मीद थी, मगर बीजेपी ने आस नहीं छोड़ी है, उसे आज भी दारा सिंह और राजभर पर भरोसा है। माना जा रहा है कि बीजेपी हाईकमान द्वारा इन दोनों नेताओं को दिवाली से पहले योगी मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए जल्द फैसला लिया जा सकता है। सब कुछ ठीकठाक रहा तो सपा का साथ छोड़कर एनडीए में आए सुभासपा के मुखिया ओपी राजभर को कैबिनेट के अलावा दारा सिंह चौहान को भी मंत्री पद दिया जा सकता है। सीएम योगी आदित्यनाथ के दिल्ली दौरे में केंद्रीय नेताओं से मुलाकात के बाद से ऐसे कयास लग रहे हैं। हालांकि, इस बात की पुष्टि नहीं हुई है लेकिन माना जा रहा है कि दोनों नेताओं को योगी कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है। राजभर को एनडीए में और दारा सिंह चौहान को बीजेपी में शामिल होने से पहले पार्टी के नेताओं ने मंत्री पद देने का आश्वासन दिया था। हालांकि, घोसी में हुए उपचुनाव में बीजेपी की हार के बाद से दोनों ही नेताओं को मंत्री पद मिलने की राह थोड़ी कठिन हो गई थी। उधर, ओपी राजभर ने दावा किया है कि दिवाली से पहले बीजेपी इसकी घोषणा कर सकती है। लोकसभा चुनाव को लेकर सपा के पीडीए और जाति जनगणना के मुद्दे की काट खोज रही बीजेपी के लिए यह दोनों नेता काफी अहम माने जा रहे हैं।

डॉक्टर अशोक की अब हुई औपचारिक गिरफ्तारी, एंजिल के परिजनों का मोबाइल बंद

भोपाल किडनैपिंग केस में अब तक 7 आरोपी पकड़ाए

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में दो बहनों के अपहरण मामले में दिल्ली से पकड़ाए डॉक्टर अशोक कुमार (33) को बुधवार की देर रात औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने दो लिस्ट जब्त की है। इन लिस्टों में 2022 और 2023 में उसके अस्पताल में जन्मे करीब 30 बच्चों का डाटा मौजूद है। पुलिस इन बच्चों के परिजनों से संपर्क कर रही है। पुलिस अब तक इस मामले में 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वीडियो कॉल पर बच्चों से बात कराने की बात पुलिस कह रही है। जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि बच्चे परिजनों के पास ही मौजूद हैं। इधर, ढाई महीने की एंजिल के परिजनों के संपर्क में पुलिस थी। बुधवार की सुबह से रात तक उनका नंबर बंद आ रहा था। उन्होंने बुधवार को भोपाल आने की बात पुलिस से की थी।

अब शक्ति बोली- अकीरो मेरी बेटी

दिल्ली से गिरफ्तार की गई कथित डॉक्टर शक्ति ने पुलिस को बताया कि अकीरो उसकी बेटी है। वह उसके पूर्व लिव इन पार्टनर की संतान है। जिसका निधन हो चुका है। अकीरो की डिलीवरी उसने छिपकर कराई थी। इसकी जानकारी मेरे मां-पिता तक को नहीं थी। पहले पति से वह कई साल पहले सेपरेट हो चुकी है। पुलिस ऐंजल, अर्चना और अकीरो तीनों का डीएनए टेस्ट करा रही है।

अशोक की भूमिका

हरियाणा के पलवल जिले के पच्छापट्टी गांव निवासी डॉ. अशोक कुमार पिता धन सिंह (33) ने शक्ति के साथ अवैध रूप से डिलीवरी कराने में मदद की है। एंजिल का जन्म उसी के दिल्ली के अस्पताल में हुआ था। उसके अस्पताल की रजिस्ट्रेशन की भी जांच कराई जा रही है। इसके लिए दिल्ली पुलिस को भी पत्र लिखा जा चुका है। एंजिल की मां अब भी अविवाहित है। पिता की शादी हो चुकी है। उसके परिजन पुलिस के संपर्क में थे। अब उन्होंने फोन बंद कर लिया है।

सूरज-अर्चना की शादी से पहले की संतान

अर्चना के पहले पति से पुलिस टीम ने दिल्ली में रहने के दौरान बातचीत की है। उसने अर्चना से कई साल पहले हर तरह के रिश्ते खत्म होने की बात पुलिस को बताई। अर्चना उससे लाखों रुपए ऐंठ चुकी है। अर्चना के इस पूर्व पति की उम्र 34 साल है। अर्चना ने पूछताछ में बताया कि उसकी पहली संतान सूरज पूर्व प्रेमी से है। वह फिलहाल उसके संपर्क में नहीं है। अर्चना की 14 साल की बेटी जो मासूम बहनों के अपहरण कांड में आरोपी और इन दिनों विदिशा के एक बालिका गृह में है, वह अर्चना के एक अन्य बॉयफ्रेंड की संतान है।

मुस्कान के मां-पिता ने आने से इनकार किया

उत्तर प्रदेश के बाराबांकी की रहने वाली मुस्कान बानो के परिजनों से संपर्क कर पुलिस ने उन्हें भोपाल तलब किया था। उन्होंने मुस्कान से पांच साल पहले ही हर तरह के संपर्क खत्म हो जाने का हवाला दिया और भोपाल आने से साफ इनकार कर दिया है।

अर्चना के मां-पिता बोले- वह 15 साल पहले मर गई

अर्चना की दिल्ली में रहने वाली मां और पिता से पुलिस ने फोन पर संपर्क किया था। उन्होंने यह कहते हुए आने से इनकार कर दिया कि हमारे लिए बेटी 15 साल पहले ही मर चुकी है। गिरफ्तारी के बाद अर्चना की मां एक दिन के लिए भोपाल आई थीं। उसकी करतूत की जानकारी के मिलने के बाद वह लौट गई थीं।

अब तक सात आरोपियों की हो चुकी गिरफ्तारी

भोपाल में काजल (8) और दीपावली (11 माह) को कर्फ्यू वाली माता मंदिर परिसर थाना कोतवाली क्षेत्र से कन्या भोज कराने के बहाने बीते 22 अक्टूबर को अगवा किया था। बच्चियों की पहचान न हो, इसके लिए आरोपियों ने दोनों का मुंडन करा दिया था। बच्चियों को सोमवार की रात क्राइम ब्रांच ने कोलार के इंग्लिश विला से बरामद किया था। इस मामले में अर्चना सेन,मुस्कान बानो, सूरज सेन, निशांत रामा स्वामी और 14 साल की अर्चना की नाबालिग बेटी इंग्लिश विला वाले मकान से बच्चियों की बरामदगी के साथ ही गिरफ्तार कर ली गई थीं। बाद में दिल्ली से डॉक्टर शक्ति उर्फ सीमा और डॉक्टर अशोक कुमार को गिरफ्तार किया गया।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441

संजीव कुमार (ब्यूरो प्रभारी भोपाल) 08224965455

email: newscrimefile@yahoo.com

भोपाल में मतदाता जागरूकता मेगा रैली

दुल्हन की तरह सजाकर लाई गईं विंटेज कारें, जहां से निकली देखते रह गए लोग

न्यूज क्राइम फाइल

शत-प्रतिशत मतदान के लिए मतदाता जागरूकता मेगा कार रैली में विंटेज कारों को उनके मालिक दुल्हन की तरह सजाकर लाए। जैसे ही ये लाल परेड ग्राउंड पहुंची इन विंटेज कारों के साथ फोटो खिंचवाने की होड़ लग गई। रैली में शामिल होकर जिस सड़क से भी गुजरी लोग देखते ही रह गए। मतदाता जागरूकता रैली सुबह करीब 9.30 बजे लाल परेड ग्राउंड से शुरू हुई। लायंस क्लब द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 400 कार शामिल हुईं। रैली में मतदाताओं का उत्साह बढ़ाने के लिए मिसेज इंडिया अपेक्षा डबराल विशेष रूप से मुंबई से आई। मिसेज इंडिया 2023 अपेक्षा डबराल 2022 में मिसेज एमपी रह चुकी हैं। वे भोपाल की रहने वाली हैं। उन्होंने कहा कि वे 2024 में मिसेज इंटरनेशनल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। उन्होंने 17 नबंवर को होने वाले मतदान में सभी लोगों से मतदान करने की अपील की। रॉल्स रायस की 1935 की रेप्लिका लेकर पहुंचे मो. अमीन ने बताया कि कार उन्होंने खुद मॉडिफाई की है।

11 जिलों में निकाली गई कार रैली

लायंस इंटरनेशनल द्वारा 11 जिलों में एक साथ रविवार को कार रैली आयोजित की गई। यह आयोजन जिला प्रशासन, जिला निर्वाचन अधिकारी के सहयोग से हो रहा है। इस मेगा कार रैली को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन एवं जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर आशीष सिंह, नोडल स्वीप तथा अपर कलेक्टर ऋतुराज एवं लायंस क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर जेपी सिंह जौहर, सहायक नोडल अधिकारी संदीप श्रीवास्तव आदि हरी झंडी देकर रवाना किया। परेड ग्राउंड पहुंचे अनुपम राजन ने लोगों को शतप्रतिशत मदतान की शपथ भी दिलाई।

प्रमाणपत्र और मोमेंटो दिए गए

रैली में शामिल होने आए लोगों के लिए वोटर आईडी कार्ड साथ लाना जरूरी था। रैली में भाग लेने वालों को प्रमाण पत्र भी दिए गए। विंटेज कार लाने पर मोमेंटो, प्रमाण पत्र और एक पुरस्कार दिया गया। इसी तरह लेंबोर्गिनी, ऑडी, मर्सिडीज, बुगाती जैसी महंगी कारों को भी मोमेंटो दिए गए।

छात्रा की पिटाई वाले मामले में बाल-आयोग ने लिया संज्ञान

मेडिकल और इलाज के अलावा टीचर के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के लिए लिखा

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में एक टीचर ने 6वीं क्लास की छात्रा की बेरहमी से पिटाई वाले मामले में अब बाल आयोग ने संज्ञान लिया है। बाल आयोग के अध्यक्ष ने इस मामले में छात्रा की मेडिकल जांच करवाकर इलाज की बात कही है। साथ ही घटना में शीघ्र जांच कराकर दोषी शिक्षक के विरुद कठोर दण्डात्मक कार्यवाही कर आयोग को अवगत कराएं। बाल आयोग के अध्यक्ष देवेंद्र मोरे ने बताया कि इस मामले में तुरंत कार्रवाई की मांग के अलावा बच्ची इलाज को लेकर पत्र जिला कलेक्टर को लिखा है। देवेंद्र मोरे ने बताया कि हमने कलेक्टर को लिखा है कि समाचार ऐप, दैनिक भास्कर ऐप में प्रकाशित समाचार, भोपाल में टीचर ने छात्रा को बेरहमी से पीटा: प्राईवेट पार्ट में भी आई चोटें, इस मामले में खबर का छायाप्रति संलग्न है। यह घटना भोपाल के सूखी नेपानिया इलाके में संचालित शासकीय एकीकृत शाला में 3 नवंबर को कक्षा 6वीं में पढ़ने वाली एक छात्रा को नशें में धुत शिक्षक संतोष अहिरवार नें बेरहमी से पीटा एवं उसके प्राइवेट पार्ट पर भी मारा है जिससे उसे चोट आई है। इस पर हमने कार्रवाई के लिए लिखा है।

यह है घटना

3 नवंबर को टीचर ने 6वीं क्लास की छात्रा की बेरहमी से पिटाई कर दी। यह घटना घटना सूखी नेपानिया इलाके में संचालित शासकीय एकीकृत शाला की है। छात्रा के प्राइवेट पार्ट में भी चोटें आई हैं। मारपीट से डरी सहमी छात्रा ने स्कूल जाने से मना कर दिया। परिजनों ने वजह पूछी तो वह रोने लगी और कहा कि अब मुझे स्कूल नहीं जाना है। इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी अंजनी कुमार त्रिपाठी का कहना है कि जांच कमेटी का प्रतिवेदन जॉइंट डायरेक्टर के पास है। वे ही निर्णय लेंगे कि आगे कार्रवाई की जाना है। टीचर ने बच्ची से मारपीट करना कबूल किया है, और कहा कि बच्ची क्लास में मस्ती कर रही थी। जिसके बाद उसने बच्ची को छड़ी से मारा है।

हार्दिक पंड्या वर्ल्ड कप से बाहर: बांग्लादेश के खिलाफ मैच में टखना मुड़ गया था

उनकी जगह प्रसिद्ध कृष्णा टीम इंडिया में शामिल

न्यूज क्राइम फाइल

टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह प्रसिद्ध कृष्णा को टीम में शामिल किया गया है। आईसीसी ने इसकी पुष्टि की है। हार्दिक 19 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ पुणे में खेले गए मैच में एंकल ट्विस्ट हो जाने से चोटिल हो गए थे। इसके बाद उन्होंने कोई मैच नहीं खेला। वर्ल्ड कप में उन्होंने 4 मैच खेले।

बांग्लादेश के खिलाफ मैच से बाहर हो गए थे

हार्दिक बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए मैच में 9वें और अपने पहले ओवर में चोटिल हो गए थे। तीसरी बॉल पर हार्दिक का टखना मुड़ा और वह क्रीज पर ही बैठ गए। मेडिकल टीम ने चोट देखी और उन्हें मैदान से बाहर ले कर गए। हार्दिक की जगह विराट कोहली बॉलिंग करने आए। उन्होंने 3 बॉल में 2 रन दिए।

चोट लगने के बाद पुणे से गए थे पंड्या

बांग्लादेश के खिलाफ चोट लगने के बाद पंड्या 22 अक्टूबर को धर्मशाला में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मैच के लिए पुणे से टीम के साथ नहीं गए। वे पुणे से बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट अकादमी में चले गए। अभी डॉक्टरों की निगरानी में रिहैब कर रहे हैं।

वर्ल्ड कप में पंड्या ने लिए 5 विकेट

हार्दिक पंड्या वर्ल्ड कप में अब तक खेले 4 मैचों में 6.84 की इकोनॉमी रेट से 5 विकेट ले चुके हैं। उन्होंने 11 रन भी बनाए हैं।

प्रसिद्ध कृष्णा पहली बार विश्व कप टीम में

प्रसिद्ध कृष्णा पहली बार वर्ल्ड कप के टीम में शामिल किए गए हैं। प्रसिद्ध को बैकअप के तौर पर तैयार रहने को कहा गया था और वह नेशनल क्रिकेट एकेडमी में ही अभ्यास कर रहे थे। शनिवार को टूर्नामेंट की इवेंट टेक्निकल कमेटी से मंजूरी मिलने के बाद उन्हें भारतीय स्क्वॉड में शामिल किया गया।

वनडे करियर में 29 विकेट ले चुके हैं

प्रसिद्ध ने भारत के लिए 17 वनडे मैच खेले हैं। उन्होंने 29 विकेट लिए हैं। उन्हें वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान टीम इंडिया में शामिल किया गया था।

लैक्मे-नायका और टाटा को टक्कर देगा रिलायंस रिटेल

न्यूज क्राइम फाइल

अरविंद फैशंस ने अपना सेफोरा इंडिया बिजनेस रिलायंस रिटेल को 99 करोड़ रुपए (.11.89 मिलियन) में बेच दिया है। अरविंद फैशंस ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि यह डील 216 करोड़ रुपए की एंटरप्राइज वैल्यू पर की गई है। सेफोरा इंडिया बिजनेस की सेल अरविंद फैशन की अपने कोर अपैरल बिजनेस पर कोकस करने की स्ट्रेटजी का हिस्सा है। कंपनी हाल के सालों में स्ट्रगल कर रही है और अपने नॉन-कोर एसेट्स का विनिवेश करना चाह रही है।

इस डील से रिलायंस के इंटरनेशनल ब्रांड्स पोर्टफोलियो को बढ़ावा मिलेगा

सेफोरा इंडिया बिजनेस को रिलायंस रिटेल को बेचने के लिए अरविंद फैशन और रिलायंस रिटेल के बीच डील महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे रिलायंस के इंटरनेशनल ब्रांड्स पोर्टफोलियो को बढ़ावा मिलेगा। इस डील की खबर लोकल मीडिया की रिपोर्ट के महीनों बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि सेफोरा और रिलायंस रिटेल ने इंडियन मार्केट में रिटेल पार्टनरशिप बनाने के लिए बातचीत बंद कर दी है। अरविंद फैशन लिमिटेड से 13 शहरों में सेफोरा के 26 स्टोरों के करंट इंडिया ऑपरेशंस का अधिग्रहण करेगी रिलायंस ब्यूटी एंड पर्सनल केयर लिमिटेड।

अरविंद फैशन लिमिटेड से 13 शहरों में सेफोरा के 26 स्टोरों के करंट इंडिया ऑपरेशंस का अधिग्रहण करेगी रिलायंस ब्यूटी एंड पर्सनल केयर लिमिटेड।

ब्यूटी एंड पर्सनल केयर मार्केट में इन कंपनियों से कंपीट करता है रिलायंस रिटेल

सेफोरा को होस्ट करने वाले ब्यूटी डिवीजन ने वित्त वर्ष 2023 में 337 करोड़ रुपए का रेवेन्यू दर्ज किया। यह अरविंद फैशन के टोटल रेवेन्यू का लगभग 7.6ब है। भारत के बढ़ते ब्यूटी एंड पर्सनल केयर मार्केट में रिलायंस रिटेल- ॥रु के लैक्मे, नायका, टाटा और स्क्रू॥ के सेफोरा जैसे ब्रांडों के साथ कंपीट करता है।

13 शहरों में सेफोरा के 26 स्टोरों के इंडिया ऑपरेशंस का अधिग्रहण करेगी रिलायंस

नायका और टाटा ग्रुप को टक्कर देने के लिए रिलायंस रिटेल ने अप्रैल में अपना खुद का ब्यूटी रिटेल प्लेटफॉर्म %टीरा% लॉन्च किया था। सेफोरा के साथ पार्टनरशिप के हिस्से के रूप में रिलायंस ब्यूटी एंड पर्सनल केयर लिमिटेड, अरविंद फैशन लिमिटेड से 13 शहरों में सेफोरा के 26 स्टोरों के करंट इंडिया ऑपरेशंस का अधिग्रहण करेगी। ट्रांजिशन पीरियड के दौरान, स्टोर और वेबसाइट सामान्य रूप से कारोबार करते रहेंगे।

2027 तक 2.5 लाख करोड़ रुपए का होगा इंडियन ब्यूटी एंड पर्सनल केयर मार्केट

रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट और पीक ङ्क्ष् (पूर्व में सिकोइया कैपिटल इंडिया एंड साउथईस्ट एशिया) की एक संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, इंडियन ब्यूटी एंड पर्सनल केयर मार्केट के 2027 तक 30 बिलियन डॉलर यानी लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपए तक बढ़ने की उम्मीद है, जो ग्लोबल मार्केट का 5ब है।

सत्ता में रहते भूपेश बघेल ने खेला सट्टे का खेल...

एमपी भाजपा का आरोप- बघेल सरकार को बैटिंग एप के जरिए मिली बड़ी रकम

न्यूज क्राइम फाइल

छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल पर एमपी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने बैटिंग एप महादेव के प्रमोटर्स के जरिए बड़ी रकम नियमित रुप से मिलने का आरोप लगाया। भोपाल में बीजेपी के स्टेट मीडिया सेंटर में वीडी शर्मा ने कहा- भाजपा शुरू से ही कहती आयी है कि महादेव एप स्कैंडल को छत्तीसगढ़ की बघेल सरकार का समर्थन प्राप्त था, जिसके कारण छत्तीसगढ की कांग्रेस सरकार ने आज तक सही से इसकी जांच नहीं की। ईडी की जांच में यह खुलासा हो गया है कि कांग्रेस की बघेल सरकार का साइड बिजनेस ही बेटिंग था। भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के विकास को बेटिंग पर डाल दिया। छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सत्ता में रहकर सट्टे का बड़ा खेल खेला। सत्ता में रहते हुए सट्टा कारोबार में रहना छत्तीसगढ में कांग्रेस की हकीकत है। कल भूपेश बघेल के खिलाफ कुछ चौकानें वाले तथ्य सामने आए है। ईडी की जांच में खुलासा हुआ कि बेटिंग एप के प्रमोटर्स ने छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को नियमित भुगतान किया गया है और अब तक कुल 508 करोड रूपए दिए गए है।

विधानसभा चुनावों में खपाने के लिए लाई जा रही थी नकदी

वीडी शर्मा ने कहा कि 2 नवंबर 2023 को ईडी को खुफिया जानकारी मिली कि 7 और 17 नवंबर 2023 को होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर महादेव एप के प्रमोटरों द्वारा छत्तीसगढ में बडी मात्रा में नकदी ले जाई जा रही है। ईडी ने होटल ट्राईटन और एक अन्य स्थान पर तलाशी ली। भिलाई और सत्तारूढ कांग्रेस पार्टी के चुनावी खर्चो के लिए बडी मात्रा में नकदी पहुंचाने के लिए खास तौर पर संयुक्त अरब अमीरात से भेजे गए कैश कोरियर असीम दास को डिटेन किया गया। ईडी ने 5.39 करोड रूपए की नकद राशि असीम दास की कार और उनके आवास से बरामद की है। असीम दास ने स्वीकार किया है कि जप्त की गई धनराशि महादेव ऐप प्रमोटरों द्वारा छत्तीसगढ राज्य में आगामी चुनाव खर्चो के लिए एक राजनेता बघेल को देने की व्यवस्था की गयी थी।

सट्टेबाजी सिंडीकेट के प्रमोटर्स विदेश में

वीडी शर्मा ने कहा कि ईडी ने महादेव एप के कुछ बेनामी बैंक खातों का भी पता लगाया है जिनमें 15.59 करोड रूपए की शेष राशि फ्रीज कर दी गयी है। ईडी ने असीम दास को गिरफ्तार कर लिया है। इस सट्टेबाजी सिंडीकेट के प्रमोटर्स विदेश में बैठे है और अपने दोस्तों और सहयोगियों की मदद से भारत भर में हजारों पैनल चला रहे है, जो खासकर छत्तीसगढ से है और उन्होंने इससे हजारों करोड रूपए कमाए है। उन्होंने कहा कि ईडी ने पहले ही 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और 450 करोड रूपये से अधिक की अपराधिक आय जप्त कर ली है। इस मामले में 14 आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री से पूछे सवाल

कहा क्या यह सत्य है कि छत्तीसगढ में कांग्रेस नेताओं को शुभम सोनी के माध्यम से असीम दास पैसा पहुंचाते थे। क्या यह सत्य है कि असीम दास को एक वाइस मैसेज से यह आदेश दिया गया कि वो रायपुर जाए और भूपेश बघेल को चुनाव खर्च के लिए पैसा दें। क्या यह सच है कि 2 नवंबर को होटल टाइन में असीम दास से पैसा बरामद हुआ है। क्या यह सच है कि अलग अलग बैंक एकाउंट से 15 करोड रूपए के पीएमएलए के तहत फ्रीज किया गया है। क्या यह सत्य है कि असीम दास नामक एक व्यक्ति से 5.30 करोड रूपए से ज्यादा पैसा बरामद हुआ है।

महादेव एप प्रमोटर्स ने छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री ने किया 508 करोड का भुगतान

शर्मा ने कहा कि असीम दास से पूछताछ और उसके पास से बरामद फोन की फोरेंसिंक जांच से और शुभम सोनी (महादेव नेटवर्क के उच्च पदस्थ आरोपियों में से एक) द्वारा भेजे गए ईमेल की जांच से कई चौंकाने वाले खुलासे हुए है। इस मामले में पहले ही कई भुगतान किए जा चुके है जिसके मुताबिक महादेव एप प्रमोटर्स ने अब तक लगभग 508 करोड रूपए का भुगतान छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को किया है। उन्होंने बताया कि ईडी ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि असीम दास ने स्वीकार किया है कि जप्त की गयी रकम को महादेव एप के प्रमोटरों की ओर से छत्तीसगढ राज्य में आगामी चुनाव खर्चों के लिए एक राजनेता बघेल तक पहुंचाने की व्यवस्था की गयी थी। रकम भेजने की मिली थी खुफिया जानकारी-ईडी ने कहा कि उसे खुफिया जानकारी मिली थी कि महादेव एप के प्रमोटरों की तरफ से छत्तीसगढ में मोटी रकम भेजी गयी है। इसके बाद उसने जाल बिछाकर दास को गिरफ्तार किया और उक्त धनराशि बरामद की। दास ने होटल ट्राईटन में खडी एसयूवी और भिलाई में एक स्थान पर रकम छिपाकर रखी थी। एजेंसी ने यह भी कहा कि उसने महादेव एप के कुछ बेनामी बैंक खातों का भी पता लगाया है जिनमें 15.59 करोड रूपए जमा है। जमा धनराशि को पीएमएलए के तहत जप्त कर लिया गया है।

महादेव एप से जमा धन नेताओं में बांटे गए

वीडी शर्मा ने कहा कि कांग्रेस और घोटाले एक सिक्के के दो पहलू हैं। ईडी ने पहले कहा था कि महादेव एप के जरिए एकत्र धनराशि रिश्वत के रूप में छत्तीसगढ में नेताओं और नौकरशाहों के बीच बांटी गयी थी। एजेंसी ने कई मशहूर हस्तियों और बॉलीवुड अभिनेताओं को भी भुगतान के तरीके और ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफार्म के साथ उनके संबंधों पर पूछताछ के लिए बुलाया था।

इनमें 24 चुनावी मैदान में; 6 माह से 2 साल तक सजा का प्रावधान

मप्र में 29 विधायकों पर आपराधिक मामलों में आरोप तय

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश के मौजूदा 29 विधायकों पर चल रहे आपराधिक प्रकरणों में कोर्ट ने आरोप तय कर दिए हैं। इनमें कांग्रेस के सबसे ज्यादा 16 जबकि भाजपा के 12 और बसपा से एक विधायक शामिल हैं। इन्हें 2 साल तक की सजा हो सकती है। इन विधायकों ने अपने खिलाफ चल रहे मामलों की जानकारी 2018 के विधानसभा चुनाव और 2020 के उपचुनाव में अपने नामांकन पत्र के साथ दिए शपथ पत्र में दी थी। इन्हीं शपथ पत्रों की जांच कर एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और इलेक्शन वॉच ने बुधवार को एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि इनमें से 10 विधायकों के खिलाफ ये मामले 10 साल या इससे अधिक समय से लंबित हैं। बाकी 19 विधायकों पर करीब 6 साल पहले मामले दर्ज किए गए थे। एडीआर ने पिछली रिपोर्ट में जानकारी दी थी कि वर्तमान विधानसभा के 93 विधायकों के विरुद्ध अलग-अलग न्यायालयों में केस दर्ज हैं। इन्हीं में से 29 पर आरोप तय कर दिए गए हैं। इन विधायकों पर मर्डर, रेप, डकैती, लूट, अपहरण, महिलाओं पर अत्याचार, रिश्वत लेने जैसे गंभीर किस्म के मामले दर्ज हैं। कुछ पर धर्म, नस्ल, भाषा के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता, भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग, अवैध कब्जा, परिवहन, फेरा, जमाखोरी, मुनाफाखोरी से संबंधित अपराध कायम किए गए हैं।

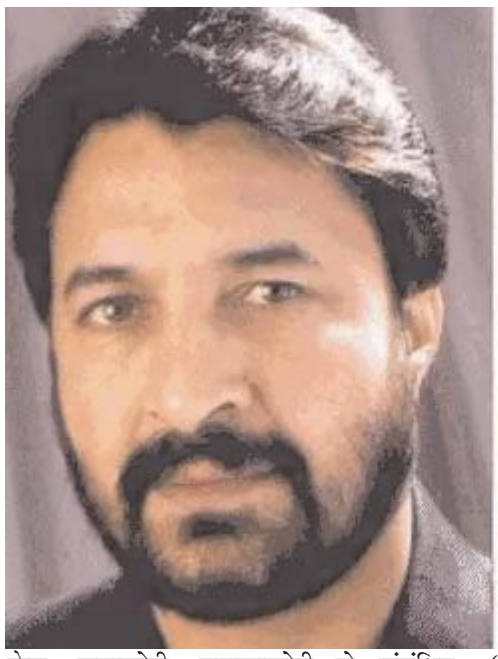

इन माननीयों पर कोर्ट ने तय कर दिए हैं आरोप

जिन 29 विधायकों पर कोर्ट में चल रहे प्रकरणों के आधार पर आरोप तय हुए हैं, उनमें भाजपा से मंत्री राजेंद्र शुक्ला (रीवा), रामखेलावन पटेल (अमरपाटन), कमल पटेल (हरदा), प्रद्युम्न सिंह तोमर (ग्वालियर) शामिल हैं। वहीं, विधायक विक्रम सिंह विक्की (रामपुर बघेलान), अनिरुद्ध माधव मारू (मनासा), राम डांगोरे (पंधाना), पारस जैन (उज्जैन उत्तर), प्रणय प्रभात पांडेय (बहोरीबंद), केपी त्रिपाठी (सेमरिया), जालम सिंह पटेल (नरसिंहपुर), प्रहलाद लोधी (पवई) के नाम भी इस सूची में हैं। कांग्रेस के जिन एमएलए पर आपराधिक प्रकरणों में आरोप तय किए जा चुके हैं, उनमें सोहन लाल बाल्मीक (परासिया), घनश्याम सिंह (सेवढ़ा), विक्रम सिंह नाती राजा (राजनगर), नर्मदा प्रसाद प्रजापति (गोटेगांव), प्रताप ग्रेवाल (सरदारपुर), जितेंद्र पटवारी (राऊ), महेश परमार (तराना), सुखदेव पांसे (मुलताई), सुनीता पटेल (गाडरवारा), कुणाल चौधरी (कालापीपल), सचिन बिरला (बड़वाह, अब भाजपा में), दिलीप गुर्जर (नागदा खाचरोद), राकेश मावई (मुरैना), रामचंद्र दांगी (ब्यावरा), विपिन वानखेड़े (आगर मालवा), अजब सिंह कुशवाह (सुमावली) शामिल हैं। इसके अलावा पथरिया से बसपा विधायक रामबाई सिंह के विरुद्ध भी आरोप तय हो चुके हैं।

5 दागी विधायकों के टिकट कटे, 24 फिर मैदान में

इन 29 विधायकों में कांग्रेस के 16, बीजेपी के 12 और बीएसपी का एक एमएलए शामिल है। बीजेपी ने अपने 12 में से 3 विधायक- राम डांगोरे, पारस जैन, जालम सिंह पटेल के टिकट काटे हैं। वहीं, कांग्रेस ने राकेश मावई, रामचंद्र दांगी को चुनावी मैदान में नहीं उतारा है। सचिन बिरला कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं। उन्हें मिलाकर 24 विधायक फिर चुनाव लड़ रहे हैं। एडीआर और इलेक्शन वॉच की रिपोर्ट के अनुसार, इन विधायकों के विरुद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8(1), 8(2), 8(3) के अंतर्गत आरोप तय किए गए हैं। दोषी ठहराए जाने पर 6 माह से दो साल तक की सजा का प्रावधान है। ये विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य भी घोषित किए जा सकते हैं।

65 वर्षीय वृद्ध ने किया 19 वर्षीय युवती से रेप

भोपाल में शादी भी कर ली; 3 दिन बंधक बनाकर किया बलात्कार

न्यूज क्राइम फाइल

जिले के चांचौड़ा इलाके में रेप का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। 65 वर्षीय वृद्ध ने एक 19 वर्ष की युवती को बंधक बनाकर उसके साथ बलात्कार किया। उसने युवती को इस तरह बहला-फुसलाकर अपनी बातों में फंसाया कि युवती ने भोपाल में उससे शादी तक कर ली। तीन दिन तक उसे कमरे में बंधक बनाकर उसके साथ रेप किया। युवती की शिकायत पर पुलिस ने स्नह्रक्रदर्ज की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया है। गुरुवार को 19 वर्षीय एक युवती ने जिले के चांचौड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि 25 अक ?टूबर को ग्राम ककराज जिला विदिशा निवासी धन ?नालाल अहिरवार उसे डरा-धमकाकर जबरद ?ती अपने साथ ले गया। तीन दिन तक युवती को कमरे में बंद रखकर उससे कई बार जबरद ?ती गलत काम किया गया। उसकी रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रेप और अपहरण की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपी धन्नालाल (65) पुत्र गणेशराम अहिरवार निवासी ग्राम ककराज थाना लटेरी जिला विदिशा को गिरफ्तार कर लिया। उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

भोपाल में दोनों ने शादी की

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी वृद्ध युवती का दूर का रिश्तेदार है। इसीलिए वह उसके साथ चली गयी। आरोपी ने युवती को इस हद तक अपने वश में कर लिया कि दोनों ने भोपाल में एक संस्था में जाकर शादी तक कर ली। इसके बाद तीन दिन तक आरोपी ने उसका शोषण किया। कमरे में बंद कर युवती के साथ बलात्कार किया। इसके बाद उसे छोड़ दिया। जिले का यह संभवत: पहला मामला है जहां 65 वर्षीय वृद्ध ने 19 वर्ष की युवती के साथ रेप की घटना को अंजाम दिया है।

64 सीटों पर त्रिकोणीय, 7 पर चतुष्कोणीय मुकाबला

24 बागी और बसपा-गोंगपा गठबंधन के 31 उम्मीदवार बिगाड़ रहे समीकरण

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश विधानसभा के चुनावी रण में भाजपा-कांग्रेस को 71 सीटों पर त्रिकोणीय या चतुष्कोणीय संघर्ष झेलना पड़ रहा है। 159 सीटें ही ऐसी हैं, जहां दोनों आमने-सामने हैं। सबसे ज्यादा नुकसान सपा और बसपा-गोंगपा गठबंधन 41 सीटों पर जबकि निर्दलीय 24 सीटों पर कर रहे हैं। इसके अलावा आम आदमी पार्टी (आप), जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) समेत दूसरे दल भी दोनों प्रमुख दलों का समीकरण बिगाड़ रहे हैं। पिछली बार 60 सीटों पर त्रिकोणीय और चतुष्कोणीय मुकाबला हुआ था। नाम वापसी के बाद अब तस्वीर साफ हो गई है कि कहां-कौन बागी या तीसरे दल का प्रत्याशी मजबूती से मैदान में टक्कर दे रहा है। इस बार विधानसभा चुनाव में कोई लहर भी नहीं दिख रही है। ऐसे में हर एक सीट पर मुकाबला दिलचस्प हो गया है। जहां सीधी लड़ाई है, वहां साफ दिख रहा है कि किसका पलड़ा भारी है लेकिन जहां त्रिकोणीय या चतुष्कोणीय संघर्ष है, वहां पेंच फंसा है।

आगे बढ़ने से पहले बहुकोणीय लड़ाई में चुनावी बाजी कैसे पलटती है, केस स्टडी से समझिए..

केस- एक : दमोह जिले की पथरिया विधानसभा सीट पर 2018 में बसपा की रामबाई ने जीत दर्ज की थी। भाजपा ये सीट महज 2205 वोटों के अंतर से हार गई थी। इस सीट पर चतुष्कोणीय मुकाबला हुआ था। भाजपा के बागी बृजेंद्र सिंह निर्दलीय चुनाव में उतरे थे।

ये सीन बना था

बीएसपी- रामबाई 39,267 वोट
बीजेपी- लाखन पटेल 37,062 वोट
निर्दलीय- बृजेंद्र सिंह 27,074 वोट
कांग्रेस- गौरव पटेल 25,438 वोट

केस- दो : जबलपुर उत्तर विधानसभा सीट पर 2018 में तत्कालीन मंत्री रहे बीजेपी प्रत्याशी शरद जैन 578 वोटों के अंतर से हार गए थे। अरसे से बीजेपी के पास रही इस सीट पर तब कांग्रेस के विनय सक्सेना जीते थे। बीजेपी को अपने बागी धीरज पटेरिया के निर्दलीय चुनाव लड़ने का नुकसान हुआ था।

ये सीन बना था

कांग्रेस- विनय सक्सेना 50,045 वोट
बीजेपी- शरद जैन 49,467 वोट
निर्दलीय-पंडित धीरज पटेरिया 29,479 वोट

पिछली बार 30 सीटों पर कांटे की टक्कर थी

पिछले विधानसभा चुनाव में 30 सीटों पर कांटे की टक्कर देखने को मिली थी। इन सीटों पर तीन हजार से कम वोटों के अंतर से जीत-हार हुई थी। 10 सीटों पर एक हजार से भी कम वोटों का गैप था। 8 सीटों पर दो हजार से कम का और 12 सीटों पर तीन हजार से कम वोटों का अंतर था। 15 सीटों पर कांग्रेस, 14 पर भाजपा और 1 सीट पर बसपा जीती थी।

दिमनी: ठाकुर वोटरों के बंटवारे से मुकाबला रोचक

मुरैना जिले की इस सीट से दिग्गज भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर मैदान में हैं। इस सीट पर ठाकुर मतदाताओं के बाद दूसरे नंबर पर ब्राह्मण वोटर हैं। बसपा ने अपने पूर्व विधायक एवं ब्राह्मण चेहरे बलवीर दंडौतिया को उतारा है। कांग्रेस ने मौजूदा विधायक रविंद्र सिंह तोमर को उतारा है। यहां त्रिकोणीय लड़ाई है। ठाकुर वोटरों के बंटवारे से बसपा के बलवीर ने मुकाबले को रोचक बना दिया है।

भिंड: तीन प्रत्याशियों में कांटे की टक्कर

भिंड सीट पर भाजपा ने पटवारी कांड से विवादों में आए संजीव सिंह कुशवाह को टिकट नहीं दिया। वे पिछली बार बसपा से जीतने के बाद हाल ही में भाजपा में शामिल हो गए थे। भाजपा ने इस सीट पर सपा से आए नरेंद्र सिंह को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, कांग्रेस ने बीजेपी से आए राकेश सिंह को टिकट दिया है। टिकट नहीं मिलने पर संजीव फिर से बसपा से मैदान में हैं। इस सीट पर तीनों प्रत्याशियों में कांटे की टक्कर है।

मुरैना: इस सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला

भाजपा ने यहां से सिंधिया समर्थक रघुराज सिंह कंसाना को टिकट दिया है। इससे नाराज होकर पूर्व मंत्री रुस्तम सिंह, बेटे राकेश सिंह के साथ बसपा में शामिल हो गए। बसपा से राकेश सिंह अब मैदान में हैं। कांग्रेस ने दिनेश गुर्जर को टिकट दिया है। इस सीट पर त्रिकोणीय लड़ाई है।

गोटेगांव: प्रजापति ने त्रिकोणीय की लड़ाई

नरसिंहपुर जिले की गोटेगांव सीट पर दिलचस्प मुकाबला है। यहां कांग्रेस से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एनपी प्रजापति मैदान में हैं। भाजपा ने महेंद्र नागेश को टिकट दिया है। कांग्रेस ने पहले यहां पूर्व विधायक शेखर चौधरी को प्रत्याशी बनाया था। टिकट बदले जाने के बाद शेखर बागी होकर निर्दलीय चुनाव में उतर चुके हैं। वे अब नागेश और प्रजापति की लड़ाई को त्रिकोणीय बना रहे हैं।

सुमावली : तीनों कैंडिडेट में कड़ी टक्कर

मुरैना की सुमावली सीट पर कांग्रेस ने पहले कुलदीप सिंह सिकरवार को प्रत्याशी बनाया था। बाद में कांग्रेस ने टिकट बदलते हुए अजब सिंह कुशवाह को चेहरा बना दिया। टिकट कटने से नाराज कुलदीप उसी शाम बसपा प्रत्याशी के तौर पर मैदान में आ डटे। भाजपा ने यहां से एंदल सिंह कंसाना को टिकट दिया है। इस सीट पर तीनों प्रत्याशियों में कड़ा मुकाबला है।

नागौद : ओबीसी फैक्टर कर रहा काम

टिकट नहीं मिलने पर आंसू बहाने वाले कांग्रेस के पूर्व विधायक यादवेंद्र सिंह के वीडियो आप ने देखे होंगे। यादवेंद्र अब बसपा प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा ने अपने मौजूदा विधायक नागेंद्र सिंह पर ही दांव लगाया है। कांग्रेस ने इस बार ओबीसी कार्ड खेलते हुए डॉ. रश्मि सिंह पटेल को टिकट दिया है। इस सीट पर सवर्ण बनाम ओबीसी फैक्टर काम कर रहा है।

सीधी : ब्राह्मण वोटों में बंटवारे का फायदा कांग्रेस को

चुनाव से पहले सीधी के जिस पेशाब कांड ने बीजेपी को बैकफुट पर धकेल दिया था, उसी सीट पर इस बार उसे बगावत झेलनी पड़ रही है। भाजपा ने इस सीट से सांसद रीति पाठक को मैदान में उतारा है। इससे नाराज होकर विधायक केदारनाथ शुक्ला निर्दलीय मैदान में उतर गए हैं। कांग्रेस ने ज्ञान सिंह को प्रत्याशी बनाया है। ब्राह्मण वोटों में बंटवारे का फायदा उठाने की जुगत में कांग्रेस लगी है।

परसवाड़ा: कांग्रेस से मधु भगत मैदान में

बालाघाट की ये सीट पूर्व विधायक एवं सांसद रह चुके कंकर मुंजारे के चलते हॉट बनी हुई है। पिछली बार भी मुंजारे सपा के टिकट पर लड़ चुके हैं। तब वे दूसरे नंबर पर थे। इस बार वे गोंगपा प्रत्याशी के तौर पर मैदान में हैं। भाजपा ने मंत्री रामकिशोर कांवरे पर फिर भरोसा जताया है, जबकि कांग्रेस से मधु भगत मैदान में हैं।

निवास: गोंगपा ने त्रिकोणीय बनाया मुकाबला

भाजपा ने इस सीट पर केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते को उतारा है। कांग्रेस ने अपने मौजूदा विधायक अशोक मर्सकोले को मंडला भेजकर यहां से चैन सिंह वरकड़े को उतारा है। इस सीट पर आदिवासियों में लोकप्रिय गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने देवेंद्र मरावी को टिकट दिया है। भाजपा-कांग्रेस की लड़ाई को गोंगपा के देवेंद्र ने त्रिकोणीय बना दिया है।

सिंगरौली: यहां आम आदमी पार्टी से टक्कर

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत सिंह मान का पूरा जोर इसी एक सीट पर है। यहां से पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष एवं सिंगरौली मेयर रानी अग्रवाल को प्रत्याशी बनाया है। भाजपा से रामनिवास शाह तो कांग्रेस ने रेनु शाह को चेहरा बनाया है। यहां भी तीनों प्रत्याशियों में रोचक मुकाबला है।

बुरहानपुर: पूर्व सांसद के बेटे निर्दलीय मैदान में

भाजपा ने इस बार भी यहां से अर्चना चिटनिस को प्रत्याशी बनाया है। इससे नाराज हर्षवर्धन नंदकुमार सिंह चौहान ने बगावत कर दी और निर्दलीय मैदान में आ डटे हैं। कांग्रेस ने निर्दलीय प्रत्याशी ठाकुर सुरेंद्र सिंह शेरा को उतारा है, जबकि मुस्लिम बाहुल्य इस सीट पर ओवैसी की पार्टी, ढ्ढस्ढ्ढरू ने नफीस मंसा को टिकट दिया है। इस सीट पर चतुष्कोणीय मुकाबला है।

नर्मदापुरम में दो भाई कांग्रेस-भाजपा से आमने-सामने

कांग्रेस प्रत्याशी बोले- छोटे को आशीर्वाद दिया, पर जीत का नहीं; ये पार्टी से गद्दारी होगी

न्यूज क्राइम फाइल

नर्मदापुरम में सेठानी घाट के पास एक बड़ा सा मकान है, जिसका नाम है- बगीचा। इसी बगीचा के दो फूल यानी दो सदस्य विधानसभा चुनाव मैदान में एक-दूसरे के खिलाफ ताल ठोंक रहे हैं। दोनों रिश्ते में सगे भाई हैं। बड़े भाई हैं- कांग्रेस के प्रत्याशी गिरिजाशंकर शर्मा और छोटे भाई हैं भाजपा से सीतासरन शर्मा। सियासत के मैदान में भले ही दोनों आमने-सामने हैं, लेकिन दोनों के बीच किसी तरह की कड़वाहट नजर नहीं आती। चुनाव में प्रतिद्वंद्वी एक-दूसरे पर तीखे हमले करते हैं, इससे इतर शर्मा बंधु एक-दूसरे की तारीफ में कसीदे पढ़ते नजर आ रहे हैं। सियासी हमले तो हो रहे हैं, लेकिन पार्टी की नीतियों को लेकर। प्रचार के दौरान आमना-सामना होता है तो छोटे भाई, बड़े भाई को झुककर प्रणाम कर लेते हैं और बड़े भाई यशस्वी भवः का आशीर्वाद देते हैं, लेकिन जीत का नहीं।

भाइयों के बीच चुनावी मुकाबला, मनमुटाव या टकराव नहीं

कांग्रेस प्रत्याशियों की दूसरी सूची में गिरिजाशंकर का नाम घोषित किया गया था। इसके एक ही दिन बाद बीजेपी ने उम्मीदवारों की पांचवीं सूची जारी की और होशंगाबाद से सीतासरन शर्मा को टिकट दे दिया। दिलचस्प बात ये है कि दोनों भाई इसी सीट से विधायक रह चुके हैं। सीतासरन शर्मा 1990, 1993, 1998, 2013 और 2018 में विधायक बने तो गिरिजाशंकर शर्मा 2003 और 2008 में यहां से विधायक चुने गए। ये पहला मौका है, जब दोनों एक-दूसरे के सामने हैं। इसे दोनों भाई दो विचारधाराओं की लड़ाई मानते हैं। दोनों ने कभी भी एक-दूसरे पर कोई व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं की और न ही उनके बीच या परिवार में ऐसा कोई अलगाव दिखता है।

गिरिजा बोले- नहीं चाहता था कि दोनों आमने-सामने आएं

गिरिजाशंकर शर्मा ने छोटे भाई के सामने चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि उन्होंने पूरी कोशिश की थी कि दोनों भाई आमने-सामने न आ पाएं। पीसीसी चीफ कमलनाथ ने पार्टी जॉइन करते ही इस सीट से चुनाव लड़ने के लिए बोल दिया था। मगर उनका जवाब था कि अगर छोटे भाई डॉ. सीतासरन शर्मा को भाजपा से टिकट मिला तो वे चुनाव नहीं लड़ेंगे। भाजपा सीतासरन को टिकट देने में लगातार देरी कर रही थी। आशंका इस बात की भी थी कि सीतासरन का टिकट ही कट जाएगा क्योंकि राजेश शर्मा, प्रसन्ना हरणे और माया नरोलिया का नाम इस सीट पर आगे चल रहा था। अंत में गिरिजाशंकर शर्मा ने चुनाव लड़ने के लिए

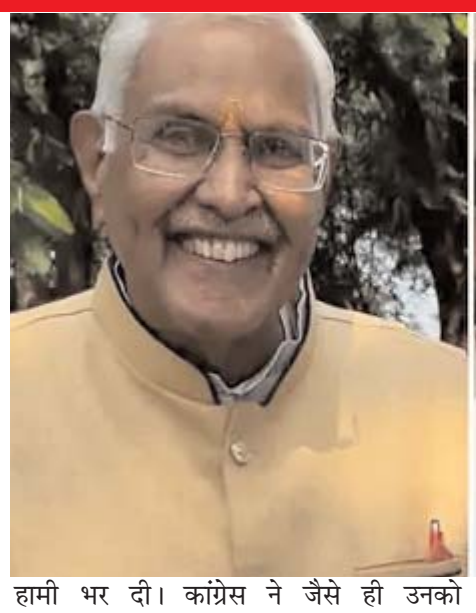

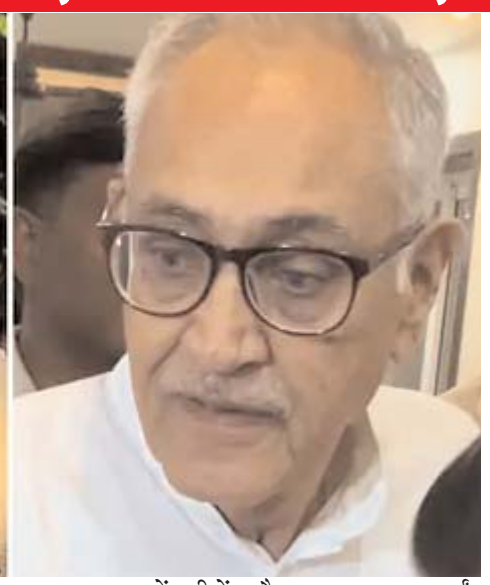

हामी भर दी। कांग्रेस ने जैसे ही उनको उम्मीदवार बनाया, बीजेपी ने डॉ. सीतासरन शर्मा को ही मजबूत चेहरा मानते हुए मैदान में उतारने का फैसला किया। गिरिजाशंकर शर्मा कहते हैं कि भाजपा ने बेहद मजबूर होकर बेमन से सीतासरन को उम्मीदवार बनाया है।

सीतासरन ने कहा- यह व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा की लड़ाई नहीं

भाजपा उम्मीदवार डॉ. सीतासरन शर्मा अपने ही भाई से मुकाबले को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा की लड़ाई नहीं, बल्कि विचारधारा की लड़ाई मानते हैं। भास्कर से बातचीत करते हुए सीतासरन शर्मा कहते हैं, 2003 में बड़े भाई के लिए मैंने कुर्सी छोड़ी थी तो 2013 में उन्होंने मेरे लिए। तब हम भाजपा में साथ हुआ करते थे। भाजपा में रहते हुए हमारे बीच कोई टकराव नहीं था। दोनों भाइयों के बीच निजी टकराव बिल्कुल भी नहीं है। हम आमने-सामने तब आ गए, जब उन्होंने अपनी विचारधारा बदली और कांग्रेस में चले गए। मैं भाजपा की नीतियों को मानता हूं तो अब जो भी सामने आएगा, उससे लड़ना ही पड़ेगा। मेरी लड़ाई भाई से नहीं, बल्कि कांग्रेस के उम्मीदवार के खिलाफ है।

भाजपा ने हमारे परिवार के वर्चस्व को खत्म करने की कोशिश की

कांग्रेस जॉइन करने के सवाल पर गिरिजाशंकर कहते हैं कि उन्होंने निजी महत्वाकांक्षा के लिए पार्टी नहीं छोड़ी थी। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि जिस पार्टी के हित के लिए वो काम करते रहे थे, वो उनका हित नहीं चाहती थी। गिरिजा ने कहा, बीजेपी मेरी और मेरे भाई की राजनीति खत्म करना चाहती थी। 1990 से लेकर 2018 तक लगातार हम दो भाइयों ने ही चुनाव जीता। हम बेहतर काम करते रहे और जनता हमें चुनती रही। मगर कोई चुनाव ऐसा नहीं रहा, जहां इन्होंने टिकट देने से पहले किन्तु-परन्तु न लगाया हो। पिछले 7-8 साल में चीजें और ज्यादा खराब हुईं। बीजेपी जैसे-जैसे ताकतवर होती गई, वैसे-वैसे सारी चीजें सेंट्रलाइज्ड होती गई। यहां किसी की कोई पूछ नहीं है। संगठन के पदाधिकारियों की भी कोई इज्जत नहीं है। कुछ तेज-तर्रार मंत्रियों को छोड़ दिया जाए तो यहां विधायक-मंत्री की भी कोई हैसियत नहीं है। पार्टी से मेरी दूरी तो काफी पहले ही बन गई थी। मैंने सब धैर्यपूर्वक देखा, लेकिन कांग्रेस में कभी नहीं गया। मगर पिछले 5 साल में सरकार का परफॉर्मेंस जितना खराब रहा है, किसी भी जिम्मेदार कार्यकर्ता को अब बीजेपी में नहीं रहना चाहिए।

हमारा वोट उनकी तरफ जाएगा तो उनका हमारी तरफ भी आएगा

इस सीट पर मुकाबला भाजपा के वर्तमान और पूर्व नेता के बीच है। ऐसे में भाजपा को इसका थोड़ा-बहुत नुकसान हो सकता है। मगर सीतासरन शर्मा का कुछ और ही मानना है। वे कहते हैं, %हमारा वोट उनकी तरफ जाएगा तो उनका हमारी तरफ क्यों नहीं आएगा? मुझे तो लगता है कि उनके हिस्से का वोट हमारी तरफ ज्यादा आएगा। बड़े का हिस्सा हमेशा छोटे को मिलता ही है। बड़े भाई सरकार के खिलाफ एंटी इनकमबेंसी की बात करते हैं, तो छोटे भाई इसको खारिज कर देते हैं। गिरिजाशंकर कहते हैं- प्रदेश में बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। भर्तियां नहीं हो रही हैं। भर्तियां आती भी हैं, तो पेपर लीक या घोटाले हो जाते हैं। अगर वो भी ठीक से हो जाता है तो फिर नियुक्तियां नहीं मिलतीं। इस कारण एंटी इनकमबेंसी क्रिएट हुई है। महंगाई से गरीब की कमर टूटी जा रही है। किसान और व्यापारी भी परेशान हैं। कौन है जो इस सरकार से संतुष्ट है? अगर कोई संतुष्ट है तो वह बतौर नागरिक एक जिम्मेदार व्यक्ति नहीं हो सकता। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सीतासरन कहते हैं- प्रदेश में कोई एंटी इनकमबेंसी नहीं है। नौजवान भाजपा के साथ हैं क्योंकि सरकार जो कहती है, वो करती है। कांग्रेस धोखा देने वाली पार्टी है। वो वादे कुछ करती है और काम तो कुछ करती ही नहीं है। कांग्रेस के 15 महीने की सरकार में जनता ने यह देख लिया है। कांग्रेस ने युवाओं को 4 हजार रुपए बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था मगर एक रुपया नहीं दिया। कई योजनाएं बंद कर दीं। इसलिए कोई कारण नहीं बनता कि जनता उन पर फिर से भरोसा करे।

भाई को जीत का आशीर्वाद दिया तो पार्टी के साथ गद्दारी होगी

भाजपा उम्मीदवार सीतासरन शर्मा अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद शाम को बड़े भाई गिरिजाशंकर का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। इस सवाल पर कि क्या दिल से जीत का आशीर्वाद दे पाएंगे, गिरिजाशंकर बोले-बतौर विधायक उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों का अच्छा निर्वहन किया है। मेरी तरफ से उन्हें यशस्वी होने का आशीर्वाद हमेशा रहेगा। उनकी प्रसिद्धि बनी रहने का आशीर्वाद हमेशा रहेगा। उन्होंने लंबे समय तक हमसे बेहतर काम किया। मगर जीत का आशीर्वाद नहीं दे सकता। ऐसा करना पार्टी के साथ गद्दारी होगी। थोड़े निराश होकर वो ये भी कहते हैं- कोई भी जीते, जितनी खुशी होगी, उतनी ही मायूसी भी होगी। आखिर में एक भाई ही हारेगा। भाजपा के इस षड्यंत्र ने हमारी खुशी तो जरूर कम कर दी है।

दोनों का चुनाव मैनेजमेंट भी परिवार के सदस्यों के ही हाथ में

कांग्रेस उम्मीदवार गिरिजाशंकर शर्मा और बीजेपी प्रत्याशी सीतासरन शर्मा, दोनों का चुनाव मैनेजमेंट भी परिवार के सदस्यों के ही हाथों में है। सबसे बड़े भाई भवानीशंकर के दोनों बेटे अपने चाचाओं के चुनाव मैनेजमेंट की कमान संभाले हुए हैं। शर्मा परिवार के पैतृक निवास बगीचा में गिरिजाशंकर शर्मा के साथ उनके बड़े भाई भवानीशंकर शर्मा और उनके बेटे पीयूष शर्मा और अरुण शर्मा भी रहते हैं। पीयूष शर्मा बीजेपी में हैं और डॉ. सीतासरन शर्मा का पूरा चुनावी मैनेजमेंट देख रहे हैं। दूसरे भतीजे अरुण शर्मा कांग्रेस में हैं और वो गिरिजाशंकर शर्मा को चुनाव में मदद कर रहे हैं। दोनों चाचाओं के नॉमिनेशन के समय भी दोनों भतीजे वहां मौजूद रहे। %बगीचा% में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में भी सब साथ देखे गए। वे एक ही घर में रहते हैं, लेकिन प्रचार की रणनीति अलग-अलग बनाते हैं।

तीसरे उम्मीदवार चौरे बोले- मेरा सीधा मुकाबला दोनों भाइयों से

नर्मदापुरम जिले की इस सीट पर चुनावी समीकरण उतना आसान भी नहीं है। यहां से भाजपा के पुराने नेता भगवती चौरे बागी बनकर निर्दलीय ही चुनाव में उतर चुके हैं।

नेपाल में 6.4 तीव्रता का भूकंप, 141 की मौत

पश्चिम रुकुम-जाजरकोट सबसे ज्यादा प्रभावित

नरेन्द्र कुमार वर्मा

नेपाल में शुक्रवार रात करीब 11 बजकर 32 मिनट पर 6.4 तीव्रता का भूकंप आया। उस समय 37 लोगों के मौत की खबर आई। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, सुबह तक यह आंकड़ा 141 पहुंच गया। सैकड़ों घरों के नुकसान की भी खबर है। हालांकि इसका कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं आया है। नेपाली मीडिया के मुताबिक, भूकंप का केंद्र काठमांडू से 331 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में 10 किमी जमीन के नीचे था। जाजरकोट और रुकुम पश्चिम जिले में भूकंप का असर सबसे ज्यादा देखा गया। यहां अब तक 105 और 36 लोगों की मौत हो चुकी है। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड हालात का जायजा लेने जाजरकोट पहुंच चुके हैं। भूकंप का असर भारत में भी देखने को मिला। दिल्ली-एनसीआर के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और बिहार की राजधानी पटना में झटके महसूस किए गए। हालांकि भारत में किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

पीएम मोदी ने कहा- मुश्किल घड़ी में हम नेपाल के साथ

नेपाल के पीएम पुष्प कमल दहल प्रचंड ने तीनों सिक्योरिटी एजेंसियों को रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटने के निर्देश दिए हैं। वहीं पीएम मोदी ने भी नेपाल के भूकंप मरने वाले लोगों के प्रति संवेदनाएं व्यक्ति की हैं। उन्होंने मुश्किल घड़ी में नेपाल की मदद करने का भरोसा जताया।

2015 में आए भूकंप से काठमांडू 10 फीट तक खिसक गया था

नेपाल में साल 2015 में 7.8 तीव्रता के भूकंप ने भारी तबाही मचाई थी। इस दौरान करीब 9 हजार लोग मारे गए थे। इस भूकंप ने देश के भूगोल को भी बिगाड़ दिया था। यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज के टैक्टोनिक एक्सपर्ट जेम्स जैक्सन ने बताया कि भूकंप के बाद काठमांडू के नीचे की जमीन तीन मीटर

यानी करीब 10 फीट दक्षिण की ओर खिसक गई। हालांकि दुनिया की सबसे बड़ी पर्वत चोटी एवरेस्ट के भूगोल में किसी बदलाव के संकेत नहीं हैं। नेपाल में आया यह भूकंप 20 बड़े परमाणु बमों जितना शक्तिशाली था। बिहार में पटना समेत आरा, दरभंगा, गया, वैशाली, खगड़िया, सिवान, बेतिया, बक्सर, बगहा, नालंदा, नवादा 11 जिलों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप के दौरान करीब एक मिनट तक धरती हिलती रही। कई आफ्टर शॉक्स भी महसूस किए गए। सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल और दरभंगा के कुछ हिस्से जोन 5 में आते हैं, जो बेहद खतरनाक हैं। राजधानी पटना सहित बिहार के बाकी हिस्से जोन 4 में आते हैं, जहां भूकंप का खतरा कम रहता है।

ईडी का गिरफ्तार एजेंट के हवाले से दावा

महादेव सट्टेबाजी ऐप के प्रमोटर्स ने सीएम बघेल को दिए 508 करोड़ रुपए

न्यूज क्राइम फाइल

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा है कि महादेव सट्टेबाजी ऐप के प्रमोटरों ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को 508 करोड़ रुपए का भुगतान किया था। ईडी ने यह दावा- गुरुवार को गिरफ्तार किए गए कैश कूरियर असीम दास के हवाले से किया है। साथ ही ईडी ने कहा है कि अब इसकी जांच की जा रही है। ईडी ने गुरुवार को कूरियर असीम दास उर्फ बप्पा दास के पास से 5.39 करोड़ रुपए बरामद करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप और उसके प्रमोटरों की ईडी मनी लॉन्ड्रिंग रोधी कानून के तहत जांच कर रही है। ईडी ने प्रेस

रिलीज कर इसका दावा किया है। असीम दास और उसके साथी कॉन्स्टेबल भीम सिंह यादव को रायपुर की विशेष अदालत में शुक्रवार शाम करीब 5 बजे पेश किया गया। कोर्ट ने उन्हें 7 दिन की ईडी की रिमांड पर भेज दिया है। अब अगली सुनवाई 10 नवंबर को होगी।

कॉन्स्टेबल 3 बार दुबई गया, वहां महादेव ऐप के प्रमोटर्स से मिला

ईडी के वकील ने कहा कि भीम सिंह यादव सुपेला पुलिस में कॉन्स्टेबल है। हमें जानकारी मिली थी कि वह 3 बार दुबई गया था। 2 यात्राओं में वह महादेव ऐप के प्रमोटर्स से भी मिला। उसकी बुकिंग भी इन लोगों ने ही कराई थी। इसके अलावा जो पैसा आया है वह भी इलेक्शन के समय में पॉलिटिकल पार्टी को डिस्ट्रिब्यूट हो रहा था।

मकान का ताला तोड़कर घुसी थी ईडी की टीम

बताया जा रहा है कि असीम दास पेशे से ड्राइवर है और ऑनलाइन सट्टा ऐप चलाता है। श्वष्ठ को आशंका है कि उसके घर से मिला पैसा ऑनलाइन सट्टा ऐप का है जिसे चुनाव में खर्च करने के लिए रखा गया था। जिसके बाद गुरुवार को कार्रवाई के लिए श्वष्ठ के अधिकारी ताला तोड़कर मकान में घुसे थे।

मैं प्रधानमंत्री पर कुछ भी आरोप लगा दूंगा तो क्या सही हो जाएगा- भूपेश

ईडी के दावे पर सीएम भूपेश बघेल ने कहा- इससे बड़ा मजाक और क्या हो सकता है। किसी को पकड़कर दबाव बनाने का क्या मतलब। मैं प्रधानमंत्री पर कुछ भी आरोप लगा दूंगा तो क्या सही हो जाएगा। रमन सिंह बोले- राजा जब चोर हो जाता है तो कमीशन खाने लगता है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623